एकता की डोर में बांधती है हिंदी

राजस्थान पत्रिका, हिंदी दैनिक समाचार पत्र, बेंगलूरु संस्करण (Page No. 2)

बुधवार, 26 मार्च, 2025

URL:https://epaper.patrika.com/Bangalore?eid=56&edate=26/03/2025&pgid

एकता की डोर में बांधती है हिंदी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बेंगलूरु. राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो ने राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया। ब्यूरो के निदेशक डॉ. एस. एन. सुशील ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि हमारे देश में अनेक भाषाएं हैं किंतु एकता की डोर में बांधने का काम अगर कोई एक भाषा कर सकती है तो वो हिंदी है।

ब्यूरो की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ओर से राजभाषा कार्यों और कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन का महत्वपूर्ण रूप से उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है। उन्होंने ने राजभाषा के सरल उपयोग और कार्यान्वयन की महत्ता पर बल दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व उपनिदेशक (राजभाषा कार्यान्वयन) अनिर्बान कुमार बिश्वास ने राजभाषा नीतियों का सरकारी कार्यालयों में अनुपालन विषय पर अपने व्याख्यान में अति महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल सभी 22 भाषाओं का सम्मान करते हुए राजभाषा कार्यशालाएं और उनकी नीतियों का पालन करना चाहिए।

राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो में जीनोमिक संसाधन विभाग के अध्यक्ष डॉ. टी. वेंकटेशन, जननद्रव्य संग्रहण एवं लक्षणीकरण विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुनील जोशी, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, जे. मैथ्यू और नराकास (का-4), केन्द्रीय विनिर्माणकारी प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु के सदस्य सचिव राजभवन ने कार्यशाला में हिस्सा लिया।

राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो में राजभाषा कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत, हिंदी दैनिक समाचार पत्र, बेंगलूरु संस्करण (Page No. 3)

मंगलवार, 25 मार्च, 2025

URL: https://epaper.dakshinbharat.com/view/1913/dakshin-bharat-karnataka/3

राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो में राजभाषा कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो में राजभाषा कार्यशाला का आयोजन 21 मार्च को किया गया। राजभाषा कार्यशाला का उद्घाटन ब्यूरो के निदेशक डॉ. एस. एन. सुशील ने किया। इस अवसर पर ब्यूरो के विभागाध्यक्ष–जीनोमिक संसाधन विभाग डॉ. टी. वेंकटेशन; विभागाध्यक्ष– जननद्रव्य संग्रहण एवं लक्षणीकरण विभाग डॉ. सुनील जोशी; वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी जे. मैथ्यू; मुख्य अतिथि के रूप में राजभाषा कार्यान्वयन के उपनिदेशक अनिर्बान कुमार बिश्वास और राज भवन, सदस्य सचिव, नराकास (का–4), केन्द्रीय विनिर्माणकारी प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलूरु की गरिमामयी उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलित करके भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के गीत के साथ राजभाषा कार्यशाला की शुरुआत हुई।

ब्यूरो के निदेशक डॉ. एस.एन. सुशील ने कार्यशाला के उद्घाटन भाषण में कहा कि ब्यूरो की राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा राजभाषा कार्यों और कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन का महत्वपूर्ण रूप से उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है।

राजभाषा विभाग, भारत सरकार और परिषद से हिंदी के प्रगामी प्रयोग से संबधित तिमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा के माध्यम से सराहनीय और प्रशंसा पत्र ब्यूरो को प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने अपने सम्बोधन में समस्त कर्मचारियों को राजभाषा कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएँ दी और कहा कि हमारे देश में अनेक बोलियाँ बोली जाती हैं किन्तु एकता की डोर में बाँधने का काम अगर कोई एक भाषा कर सकती है तो वो देश में सर्वाधिक बोले जाने वाली हिंदी भाषा है। निदेशक महोदय ने राजभाषा के सरल उपयोग और कार्यान्वन की महत्ता पर बल दिया।

राजभाषा कार्यशाला में ब्यूरो के समस्त वैज्ञानिकों, अधिकारियों और कर्मचारियों सहित भा.कृ.अनु.प.–भारतीय पशु–चिकित्सा अनुसंधान संस्थान बेंगलूरु केंद्र तथा भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो बेंगलूरु केंद्र के वैज्ञानिकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने–अपने विचार व्यक्त किए तथा सक्रिय रूप से कार्यशाला में भाग लेकर सफल बनाया।

राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो में राजभाषा कार्यशाला का आयोजन

शुभ लाभ, हिंदी दैनिक समाचार पत्र, बेंगलूरु संस्करण (Page No. 2)

मंगलवार, 25 मार्च, 2025

URL: https://epaper.shubhlabhdaily.com/view/786/bengaluru-epaper-25-march-2025/2

राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो में राजभाषा कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु में राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। राजभाषा कार्यशाला का उद्घाटन ब्यूरो के निदेशक डॉ. एस. एन. सुशील ने किया। इस अवसर पर ब्यूरो के विभागाध्यक्ष- जीनोमिक संसाधन विभाग, डॉ. टी. वेंकटेशन, विभागाध्यक्ष- जननद्रव्य संग्रहण एवं लक्षणीकरण विभाग, डॉ. सुनील जोशी, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, जे. मैथ्यू, मुख्य अतिथि अनिर्बान कुमार बिश्वास, उप निदेशक (राजभाषा कार्यान्वयन) गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, भारत सरकार, राज भवन, सदस्य सचिव, नराकास (का-4), केन्द्रीय विनिर्माणकारी प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलूरू की गरिमामायी उपस्थिति में दीप प्रज्वलित करके भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के गीत के साथ राजभाषा कार्यशाला की शुरुआत हुई। ब्यूरो के निदेशक डॉ. एस.एन. सुशील ने कार्यशाला के उद्घाटन भाषण में कहा कि ब्यूरो की राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा राजभाषा कार्यों और कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन का महत्वपूर्ण रूप से उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है। राजभाषा विभाग, भारत सरकार और परिषद से हिंदी के प्रगामी प्रयोग से संबधित तिमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा के माध्यम से सराहनीय और प्रशंसा पत्र ब्यूरो को प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने अपने सम्बोधन में समस्त कर्मचारियों को राजभाषा कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएँ दी और कहा कि हमारे देश में अनेक बोलियाँ बोली जाती हैं। किन्तु एकता की डोर में बाँधने का काम अगर कोई एक भाषा कर सकती है तो वो देश में सर्वाधिक बोले जाने वाली हिंदी भाषा है। निदेशक ने राजभाषा के सरल उपयोग और कार्यान्वन की महत्ता पर बल दिया। राजभाषा कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को ब्यूरो के निदेशक और उप निदेशक (राजभाषा कार्यान्वयन) ने प्रमाण-पत्र वितरित करके प्रोत्साहित किया। ब्यूरो के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, जे. मैथ्यू के धन्यवाद प्रस्ताव के उपरांत कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला का संचालन सतेंद्र कुमार, मुख्य तकनीकी अधिकारी और राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य सचिव ने किया।